No. of Printed Pages : 4

MSK-003

स्नातकोत्तर कला उपाधि (संस्कृत)

(एम. एस. के.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2022

एम. एस. के.-003 : दर्शन : न्याय, वैशेषिक, वेदान्त, सांख्य और मीमांसा

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : (*i*) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

(*ii*) प्रश्न-पत्र तीन खण्डों में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिये गये निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड—क

1. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 10×3=30

(क) भारतीय दर्शनों का वर्गीकरण कीजिए।

अथवा

मीमांसा दर्शन और वेदान्त दर्शन के प्रमुख सिद्धान्तों का परिचय दीजिए।

(ख) पञ्च हेत्वाभास क्या हैं ? निरूपण कीजिए।

अथवा

वेदान्त विद्या के अधिकारी की अपेक्षित विशेषताओं की व्याख्या कीजिए।

(ग) सत्कार्यवाद के मण्डन में कारिकाकार द्वारा दी गई युक्तियों की व्याख्या कीजिए।

अथवा

अर्थसंग्रह के अनुसार 'धर्म' पर प्रकाश डालिए।

खण्ड—ख

2. निम्नलिखित की ससन्दर्भ व्याख्या कीजिए : $10 \times 4 = 40$

(क) शब्दगुणकमाकाशम्। तच्चैकं विभुः नित्यं च।

अथवा

द्रव्यगुणकर्मसामान्यविशेषसमवायाभावाः सप्त पदार्थाः।

(ख) असर्पभूतायां रज्जौ सर्पारोपवत् वस्तुनि अवस्तु आरोपः अध्यारोपः।

अथवा

चतुर्विध शरीरः चतुर्विधशरीराणि तु जरायुज

अण्डजस्वेदजोदिभज्जाख्यानि।

(ग) दृष्टमनुमानमाप्तवचनच्च सर्वप्रमाणसिद्धत्वात्।

त्रिविधं प्रमाणमिष्टं प्रमेयसिद्धिः प्रमाणद्धि

अथवा

र स्य दर्शयित्वा निवर्तते नर्तकी यथा नृत्यात्।

पुरुषस्य तथाऽऽत्मानं प्रकाश्य विनिवर्तते प्रकृतिः

(घ) 'अज्ञातार्थज्ञापको वेदभागो विधिः।'

अथवा

'प्रमाणान्तरावगतार्थबोधकोऽर्थवादोऽनुवादः।'

खण्ड—ग

3. निम्नलिखित में से किन्हीं **पाँच** पर टिप्पणियाँ लिखिए : $6\times5=30$

(क) जीवन्मुक्त

(ख) अष्टा योग

(ग) उपमान प्रमाण

(घ) अज्ञान

(ङ) भावनास्वरूप

(च) महावाक्य

(छ) ईश्वरस्वरूप